



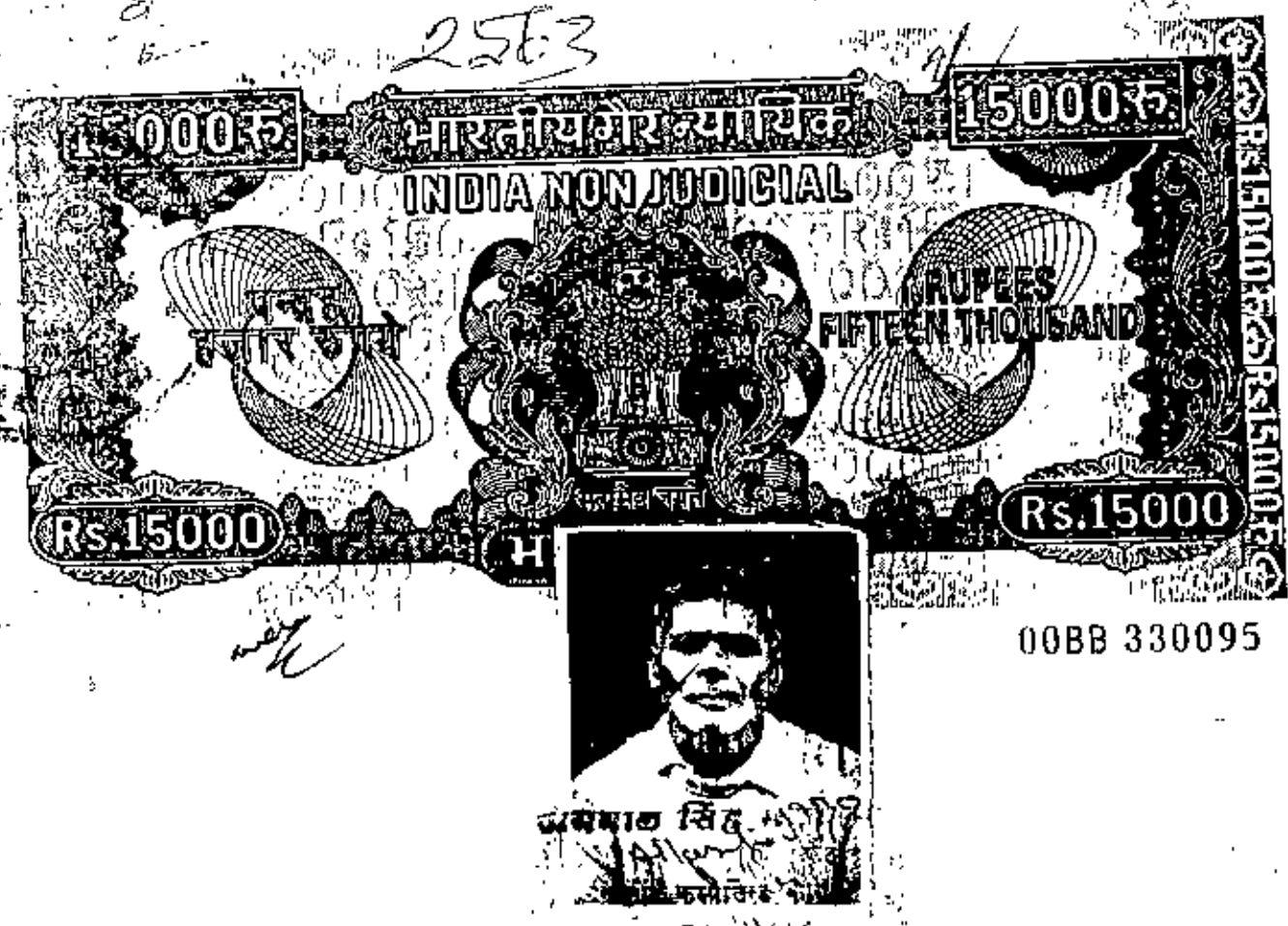
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

76AA 545789

पत्रिका 10 + नं. 1649 वर्ष 2009 के साथ सलग नं. 4

पदा - *[Signature]* 4

2563

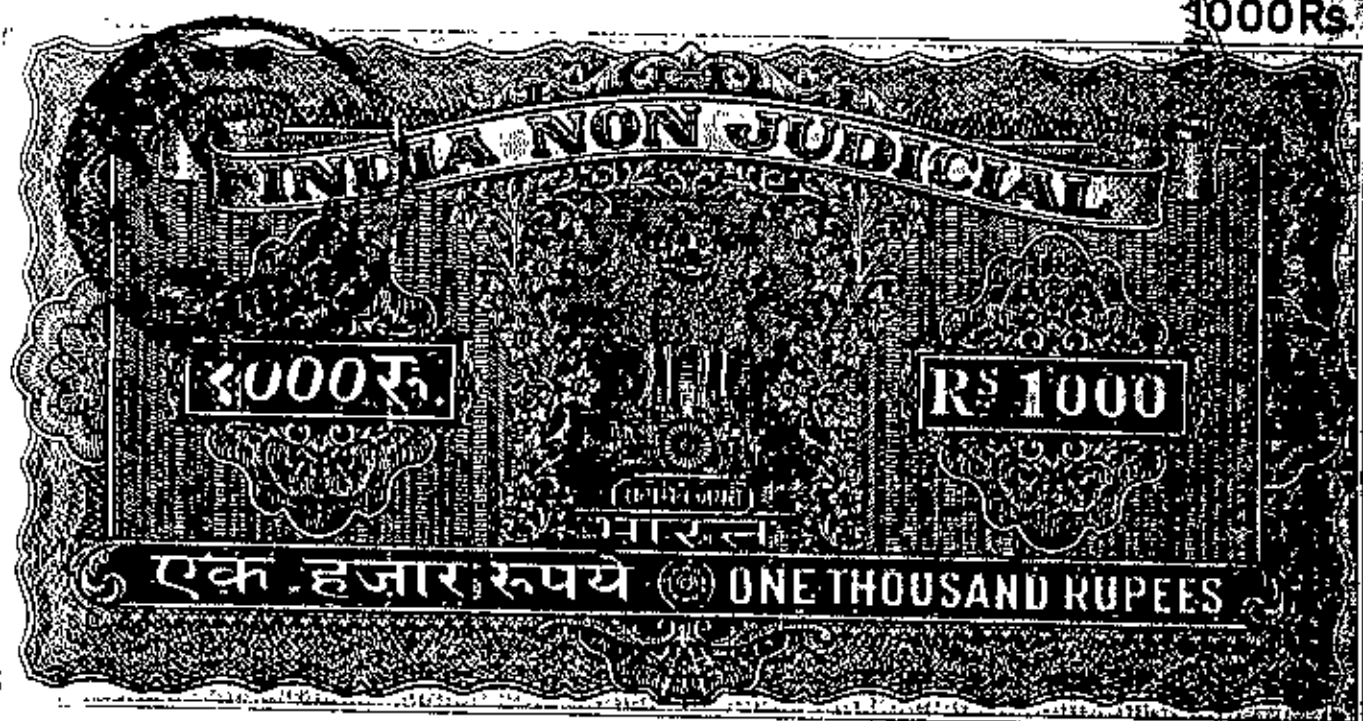


॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मन कि राज कुमार वयस्क पुत्र श्री टीका राम निवासी
 ग्राम रूपपुर परगना बतहसील बजिला कानपुर नगर का हूँ।

विदित हों कि मिन मुकिर बाराजी मूमिधरी
 नम्बरी १०६१ स्क्रा ०. ५१२ ह० के १।३ भाग यानी
 ०. १७१ ह० अर्थात् ॥१॥१:१३ स्थित माँजा बेरी उकवापुर
 कटार परगना बतहसील ब जिला कानपुर नगर का तहसील
 मालिक, का विन बतहसील स्थानाधीन मूमिधर कारतकार है,
 कठजा भी मिन मुकिर का है तथा नाम भी दर्ज कागजात
 सरकारी मुराजस्व वमिलेताँ में है। मिन मुकिर के हिस्से में
 अन्य कोई व्यक्ति हकदार व हिस्सेदार या मागीदार नहीं है।

(Handwritten signatures and marks)



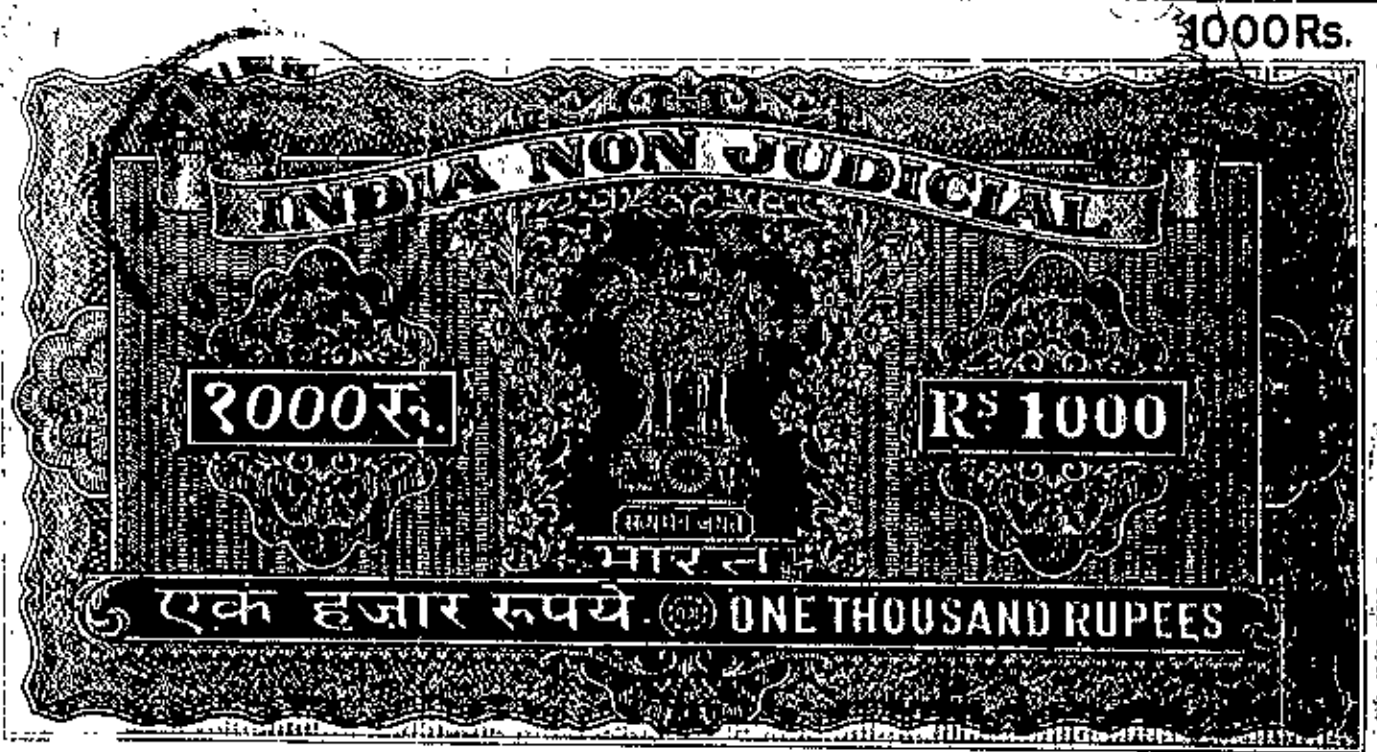
(२)

कठजामी मिन मुकिर का है तथा नाम भी दर्ज कागजात सरकारी है। जायदाद उपरोक्त वाज दिन तक कुमलत बार किकालेत से बरी पाक व साफ है। कहीं खन, बय, डिगा, मुस्तगरक, अपानत आदि नहीं है तथा किसी डिगरी व खजराये डिगरी में कुर्क बंधवा बरसरे नीलाम नहीं है तथा किसी न्यायालय या मोहकना सरकारी द्वारा विक्रय वादि करने से भी रोकता नहीं गया है। तथा किसी बैंक लोन वादि में बन्धक नहीं है। गस्ने कि जायदाद उपरोक्त वाज दिन तक हर प्रकार से पाक व साफ है तथा मुकिर को बजरिये बय-नामा विक्रय करने सम्बन्धी समस्त अधिकार मा लिकाना हासिल है। चूंकि मुकिर को खर्च खानगी व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु रुपया की सख्त आवश्यकता है, जो कि बिना बेचे सुये जायदाद उपरोक्त विवरण निम्नलिखित मिन मुकिर की

4/1/11

1/1/11

✓



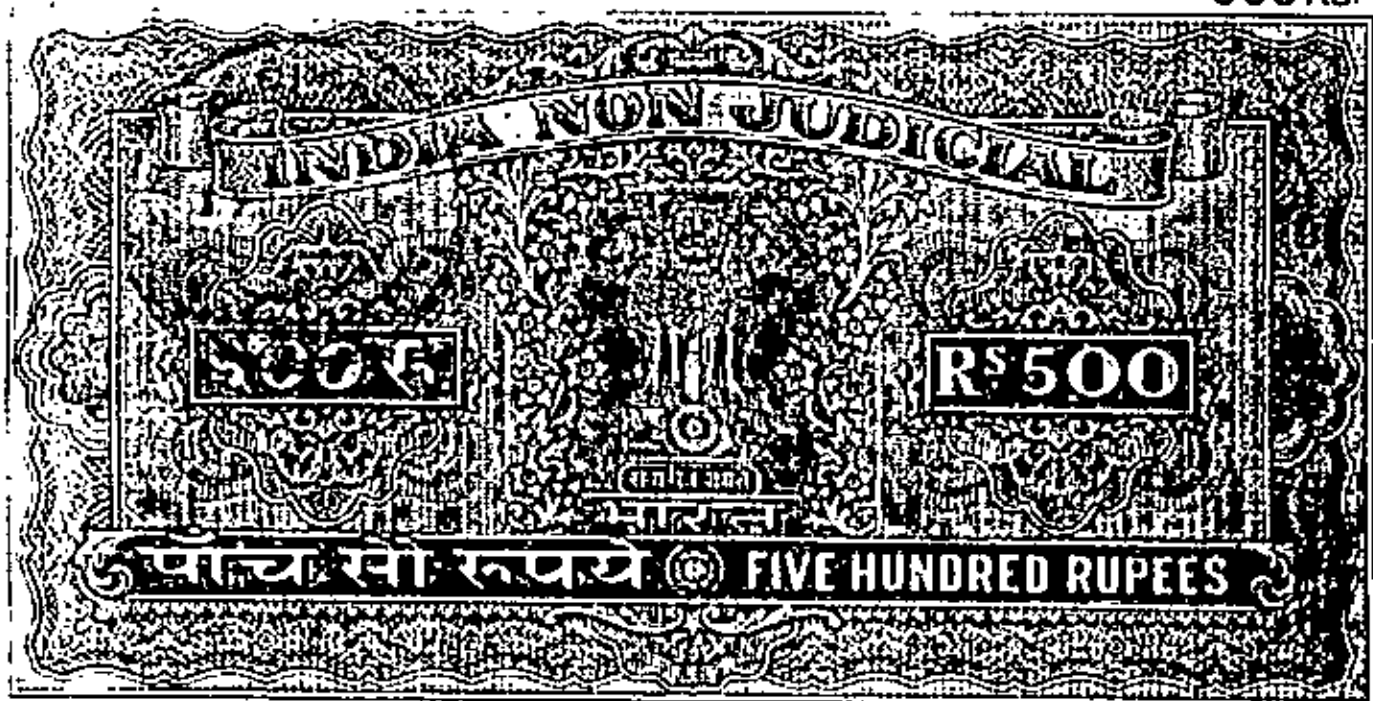
(१)

बहुत रफ्तार नहीं हो सकती है। लिहाजा मिन मुकिर ने उक्त बायदाद विवरण निम्नलिखित को बेचना उचित समझ कर बेचने की वाकत इधर उधर बातचीत शुरू की तो गुफरतगु बय पर विल एवज मुबलिंग १,२०,०००/- एक लाख बीस हजार रुपया र्व पदावीर कावापरटिव हाउसिंग सोसायटी लि० रजिस्ट्रेशन संख्या ६६६ स्न १६८२ मुख्य कार्यालय सिटी सेंटर मालरोड शहर कानपुर द्वारा सचिव श्री ए० के० जैन पुत्र श्री जे० के० जैन निवासी ७३ वार० एस० पुरम काकादेव शहर कानपुर तरीद करने पर तैयार व राजामन्द है, कीमत निहायत मुनास्ब व काजिब है, बाजा री भाव से कम नहीं है। कीमत मुकिर को मंशूर व तस्लीम है। लिहाजा बहालत सेहत जात वसवात अवल बडुरुस्ती होश हवास विला किसी दाब

११/१२/११

११/१२/११

११/१२/११



(५)

वर स्मन अब एक ही पैसा पाना बिम्बे तरीदार समिति
 के शेष नहीं रहा। मिन मुक्ति ने मिस्त्र अपने काम की
 ता रित से जायदाद मुबैया हाका पर कब्जा बदलत पाहि-
 लाना व बाकहं तरीदार समिति का करा दिया तथा
 पाहिक, काजिज करा दिया, काम की ता रित से तरीदार
 समिति मिस्त्र मुक्ति के जायदाद मुबैया हाका की एक मात्र
 पाहिक काजिज बदलीत हा गयी। तरीदार का बाधिए कि
 वह जिस प्रकार से पाह जायदाद मुबैया हाका का अपने स्ते-
 पाह वप्रयोग वें हाये। इसमें मुक्ति व बारिसान मुक्ति का
 काहें उभार व स्तराजन होगा। तरीदार समिति का अधिकार
 हागा कि वह अपना नाम कागजात सरकारी वें बताना मिस्त्र-
 फियत दर्ज करा लेये, तथा दर्ज नाम मिन मुक्ति खराब करा देवे।

11/11/11
 11/11/11

जिसकी राजमन्दी उस बख्शमा हाजा द्वारा समझी जावेगी। फिर भी यदि कहीं जरूरत पड़े तो मुक़िर अपनी तहरीरों व बुबानी राजमन्दी जैसी की भी जरूरत होगी पेश कर देगा। वैसे तो यह दस्तावेज ही काफी हैं। यदि जायदाद मुबैया हाजा का कुल या बुज भाग कच्चा व दलल मुक़िर के फल या तर्कफल या मुक्स मिलिखियत आदि की बख़्त से तरीदार से निकल जावे या तरीदारको जायदाद मुबैया हाजा की निस्बत आज दिन तक की बाकत कुछ भी बदा या सकर कलना पड़े तो उसकी सारी ज़िम्मेदारी मुक़िर व वारिसान मुक़िर की होगी, और तरीदार को बख़िरा होगा कि वह अपना कुल भर समन मय हरजा बख़र्चा के मुक़िर की दीगर जात लास जायदाद मनबूला व गैरमनबूला से जिस प्रकार से चाहे वाम दाम नफ़द वसूल पा लेवे। इसमें मुक़िर व वारिसान मुक़िर को कोई ठगुर व स्तराज न होगा। ज़मला शरायत दस्तावेजहाजा की पाबन्दी मुक़िर व वारिसान मुक़िर पर लाज़िम व बाज़िम होगी।

लिहाजा बहुरुस्ती हांश हवास बिठा किसी दाब नाबायज के स्वस्थ मन बुद्धि चित्त की दशा में मैवना किसी के बहकाये या बागलाये राबि कुशु से यह कन्द कलमात बतरीक

21-11-11

21-11-11

(७)

बयनामा कतहें तहरीर कर दिया ताकि सन्दर्भों और समय पर काम आवे।

विवरण जायदाद मुबैया

आराजी भूमिधरि नम्बरी १०६१ एक हजार कवयानर्ब
रकबा ०. ५१२ हे० शुन्य दशमलव पांच एक दां हे० का १।३
एक बटा तीन पाग रकबा ०. १७१ हे० शुन्य दशमलव एक सात
एक हे० यानी ॥१॥१३ सल्लिह बिस्वा तौरह बिसवान्सी
स्थित पाँचा बेरी ककबापुर कद्वार परगना व तहसील व जिला
कानपुर नगर विक्रय किया गया है। विक्रीता अनुसूचितजाति
एवं जनजाति का नहीं है। स्टाम्प डिप्टी सर्किल टि ३,००,०००।-
तीन लाख रुपया प्रति एकड़ के हिसाब से १,२६,५००।-रुपया
पर मुबल्लिग १८,५००।- रुपया का जदा किया गया है। अब
मेरा कोई हिस्सा बाँकी नहीं रहा। मास्टर प्लान कैपिटल
मुमि दर्ज है। जेबन नम्बर २ प्लॉक कल्यानपुर है।

तहसील वजुलयाबी बरे समन मुबल्लिग १,२०,०००।- एक
लाख बीस हजार रुपया।

मुबल्लिग १,२०,०००।- एक लाख बीस हजार रुपया नकद
रुबहु श्रीपाद सन रजिस्ट्रार महोदय कानपुर के मुकदर ने तहरीदार

११/११/११

११/११/११

११

(८)

उक्त से नकद वसूल पा लिया है। निम्नलिखित अर स्मन अब
स्व मी पैसा पाना जिम्मे तरीदार के शेष नहीं रहा।

बाँहड़ी आयदाय मुर्वया

पूरब- वाराजी तरीदार समिति

पश्चिम- वाराजी तरीदार समिति व वामन १०६२ का जुजमाग

उत्तर- जुजमाग वाराजी नम्बर १०६१

दक्षिण- सीमा ग्राम बेंरी लकवापुरखार

तहसील ता. तिख- ३०-१-१९६६ ई०

गवाह- १. राजेश कुमार सिंह, जिला मजिस्ट्रेट, जिला मजिस्ट्रेट, जिला मजिस्ट्रेट, जिला मजिस्ट्रेट

गवाह-२. राजेश कुमार सिंह, जिला मजिस्ट्रेट, जिला मजिस्ट्रेट, जिला मजिस्ट्रेट, जिला मजिस्ट्रेट

टाहफकर्ता-

राजेश कुमार सिंह,
ता. वामन ८३ कांटे कानपुर

31/1/96

जयपाल सिंह मजिस्ट्रेट
कांटे कानपुर

30-1-96

31/12/1953

2617

ता. संख्या 1065/98-75

3/2/2001

हदमा वना मन्त्री को उा. को दा

2000. 10. 10

उपस्थित निम्न व्यक्तियों के संकेत

7425/14/1 - 22/1/1977

2. 2. 12-

1899-1900

1954/55

प्राज. दि. २०-१०-१९७१ को फां. के. १९७१
पुस्तक संख्या I- १७३/१००/ के. प्र. सं. १९७१
२१३/२२८ व. क्र. सं. २५६३ पर
रजिस्ट्रीकृत किया गया।

उप निबन्धक
कानपुर-नगर

Amesbury

உள்ளுறை

128/11 Jan 1952

सदस्य कायदाद्वारा

1. अथ श्रीमद्भगवद्गीता

Adrian 6/10/09